

INHALT

| | |
|--|----|
| Vorwort von Craig R. Whitney | 5 |
| Einleitung: Millionäre in der DDR | 11 |
| Kindheit. 1936–1944 | 17 |
| Prägende Jahre. 1945–1961 | 19 |
| Unfassbar Kath, Teil 1. Schicksalsjahr 1961 | 27 |
| Zwischen Flucht und Aufbau. 1962–1966 | 33 |
| Griff nach den Sternen: von »Baltimore« nach Pirna. 1966–1969 | 43 |
| Aufstieg. 1969–1971 | 51 |
| Senkrechtstart zum Ost-Millionär. 1972–1974 | 57 |
| Siegfried Kath und die Stasi. 1962–1974 | 67 |
| Die Intrige. 1973/1974 | 77 |

| | |
|--|-----|
| »Barocker Prunk«: Landsitz, Sammler und der Neid | 83 |
| Horst Schuster | 97 |
| Verhaftet. 1974 | 109 |
| Des Teufels Anwalt. 1974/75 | 119 |
| Unfassbar Kath, Teil 2. 1975 | 137 |
| Neuanfang. 1975 | 145 |
| Auf und Ab. 1976–1981 | 155 |
| Leidensweg. 1981–2008 | 161 |
| Annelies | 165 |
| Der Fall Siegfried Kath und die Wende. 1990–2002 | 171 |
| Millionär und Mensch: ein Fazit zu Siegfried Kath | 179 |
| Nachweise | 187 |